

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्रीरिष्वष्टौत्तरशतनामस्तोत्रम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्रीरिष्यष्टौत्तरशतनामस्तोत्रम् ॥

रासुदेरं हृषीकेशं रामनं जलशायिनम्।
जनार्दनं हरिं कृष्णं श्रीरक्षं गरुडध्वजम् ॥ 1 ॥

बाराहं पुण्डरीकाक्षं नृसिंहं नरकान्तकम्।
अर्यक्तं शाश्वतं रिषुमनन्तमजमर्ययम् ॥ 2 ॥

नारायणं गदाध्याक्षं गोरिन्दं कीर्तिभाजनम्।
गौरर्धनोद्धरं देवं भुधरं भुरनेश्वरम् ॥ 3 ॥

रेतारं यङ्गपुरुषं यङ्गेशं यङ्गराहकम्।
चक्रपाणिं गदापाणिं शङ्खापाणिं नरोत्तमम् ॥ 4 ॥

रैकुण्ठं दुष्टदमनं भुगर्भं पीतराससम्।
त्रिरिक्रमं त्रिकालञ्जं त्रिमूर्तिं नन्दिकेश्वरम् ॥ 5 ॥

रामं रामं हयग्रीवं तीमं रौद्रं भरोद्धरम्।
श्रीपतिं श्रीधरं श्रीशं मङ्गलं मङ्गलायुधम् ॥ 6 ॥

दामोदरं दमोपेतं केशरं केशिसूदनम्।
ररेण्यं ररदं रिषुमानन्दं रसुदेरजम् ॥ 7 ॥

हिरण्यरेतसं दीप्तं पुराणं पुरुषोत्तमम्।
सकलं निष्कलं शुद्धं निर्गुणं गुणशाश्वतम् ॥ 8 ॥

हिरण्यतनुसङ्काशं सूर्यायुतसमप्रभम्।
मेघश्यामं चतुर्बाह्वं कुशलं कमलेक्षणम् ॥ 9 ॥

জ্যোতীরূপমরূপং চ স্বরূপং রূপসংস্থিতम्।
সৰ্ৰজ্ঞং সৰ্ৰরূপস্থং সৰ্ৰেশং সৰ্ৰতোমুখম্ ॥ 10 ॥

জ্ঞানং কূটস্থমচলং জ্ঞানদং পরমং প্রভুম্।
যোগীশং যোগনিষ্ণাতং যোগিনং যোগরূপিণম্ ॥ 11 ॥

ঈশ্বরং সৰ্ৰভূতানাং বন্দে ভূতমযং প্রভুম্।
ইতি নামশতং দিৰ্যং বৈষ্ণৱং খলু পাপহম্ ॥ 12 ॥

ব্র্যাসেন কথিতং পূৰ্ণং সৰ্ৰপাপপ্রণাশনম্।
যঃ পঠেৎ প্রাতরুথায় স ভৱেদ্বৈষ্ণৱো নরঃ ॥ 13 ॥

সৰ্ৰপাপরিশুদ্ধাত্মা বিষ্ণুসায়ুজ্যমাণুযাৎ।
চান্দ্রাযণসহস্রাণি কন্যাदानशतानि च ॥ 14 ॥

গৱাং লক্ষসহস্রাণি মুক্তিভাগী ভৱেন্নরঃ।
অশ্রমেধায়ুতং পুণ্যং ফলং প্রাপ্নোতি মানৱঃ ॥ 15 ॥

॥ ইতি শ্রীৰিষ্ণুৰষ্টোত্তরশতনামস্তোত্রং সমাপ্তম্ ॥